Publication	The Hindu	Language	English
Edition	Mumbai	Journalist	PTI
Date	03/07/2023	Page no	12
CCM	13.47		

Cooperatives to usher in an era of change, says Om Birla

There was a period when cooperatives were marred by "corruption, mismanagement and politics" but time has changed now and the sector is poised to move towards prosperity due to reforms brought in by the Modi government, Lok Sabha Speaker Om Birla said on Sunday. Prime Minister Narendra Modi's initiative of creating a separate Ministry for Cooperatives has brought in transparency and accountability in the system, Mr. Birla said, and hoped that cooperatives will usher in "a new era of social and economic transformation" in the country. The Lok Sabha Speaker was addressing the valedictory session of the 17th Indian Cooperative Congress. PTI

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	The Hindu	Language	English
Edition	Kolkata	Journalist	Bureau
Date	03/07/2023	Page no	12
CCM	15.87		

Cooperatives to usher in an era of change, says Om Birla

There was a period when cooperatives were marred by “corruption, mismanagement and politics” but time has changed now and the sector is poised to move towards prosperity due to reforms brought in by the Modi government, Lok Sabha Speaker Om Birla said on Sunday. Prime Minister Narendra Modi's initiative of creating a separate Ministry for Cooperatives has brought in transparency and accountability in the system, Mr. Birla said, and hoped that cooperatives will usher in "a new era of social and economic transformation" in the country. The Lok Sabha Speaker was addressing the valedictory session of the 17th Indian Cooperative Congress. PTI

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Hindustan	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/07/2023	Page no	11
CCM	13.96		

अलग मंत्रालय से सहकारी समितियों की हालत सुधरी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय में सहकारी समितियां भ्रष्टाचार और राजनीति के कारण बदहाल थीं।

मगर, अब समय बदल गया है, केंद्र में सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाने से अब ये समितियां देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने रविवार को 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस के समापन सत्र में कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार ने सहकारी समितियों के महत्व को समझा है। इसके लिए केंद्र में अलग से मंत्रालय बनाने की पहल की गई। इससे न केवल सहकारी समितियों के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही तय हुई है, बल्कि इनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Jansatta	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/07/2023	Page no	2
CCM	15.7		

'सहकारिता से आर्थिक परिवर्तन का नया युग शुरू होगा'

बिरला ने कहा कि सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय बनाने की प्रधानमंत्री की पहल से प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। सहकारिता से आर्थिक परिवर्तन का नया युग शुरू होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि संबंधित संस्थाओं को राजनीति की बजाए समाज नीति और राष्ट्रनीति का वाहक बनना चाहिए। सामूहिकता के साथ मिलकर हम इस क्षेत्र में नई तकनीक, अपनी दक्षता और कार्यकुशलता को बेहतर करते हुए 'सहकार से समृद्धि की ओर बढ़ सकते हैं।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Punjab Kesri	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/07/2023	Page no	8
CCM	24.33		

सहकारी समितियां परिवर्तन का नया युग शुरु करेंगी : ओम बिरला

● मोदी सरकार के सुधारों के कारण अब समृद्धि की तरफ अग्रसर हो रहा है सहकारी क्षेत्र

नई दिल्ली, (भाषा): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि एक समय था जब सहकारी समितियां 'भ्रष्टचार, कुप्रबंधन और राजनीति' के कारण बदहाल थीं, लेकिन अब समय बदल गया है और मोदी सरकार के सुधारों के कारण यह क्षेत्र अब समृद्धि की ओर अग्रसर होने के लिए तैयार है।

बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय बनाने की पहल से तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सहकारी समितियां देश में 'सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के एक नये युग' की शुरुआत करेंगी।

लोकसभा अध्यक्ष यहां 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा, ''सहकारिता एक बहुत बड़ा क्षेत्र है, लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब किसी न किसी रूप में इसमें भ्रष्टाचार था, उचित प्रबंधन की कमी थी, व्यवस्था में ठहराव था, राजनीति थी... जो सहकारी समितियों के लिए अच्छा नहीं था। भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और पारदर्शिता की कमी के कारण लोग सहकारी समितियों पर सवाल उठाने लगे थे।''

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Rajasthan Patrika	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/07/2023	Page no	2
CCM	64.87		

लोकसभा अध्यक्ष ने भारतीय सहकारी महासम्मेलन का समापन सत्र को संबोधित किया

हाल के सुधारों ने सहकारिता क्षेत्र के भ्रष्टाचार का किया निवारण

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि नई तकनीक, अपनी दक्षता और कार्यकुशलता को बेहतर करते हुए सहकार से समृद्धि की ओर बढ़ सकते हैं। हाल में हुए सुधारों ने सहकारिता क्षेत्र में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का निवारण किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सहकारिता आंदोलन आत्मनिर्भर और विकसित भारत के स्वपन को साकार करेगा।

बिरला ने यह बातें रविवार को 17वें भारतीय सहकारी महासम्मेलन के समापन सत्र में कही। बिरला ने कहा कि सहकारिता की भावना हमारे मूल स्वभाव, चिंतन और व्यवहार में है। सहकारिता का भाव हमारे राष्ट्र-नायकों की सोच में रहा है। बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय आंदोलन सहकारिता से किसान और मजदूरों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। पहले जो 16 से 18 फीसदी पर किसान को ऋण लेना पड़ता था, वही आज देश के कई राज्यों में एक से डेढ़ लाख रुपए का ऋण जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर सहकारिता के माध्यम से ही मिलना संभव हो पाया है। साथ ही किसानों को सहकारी समितियों से खाद, बीज और उर्वरक सस्ते दर पर मिल पा रहा है। बिरला ने कहा कि सहकारी चीनी मिलों की स्थापना से देश में एक आमूलचूल परिवर्तन हुआ, जिससे किसानों को गन्ने का उचित दाम मिलने लगा और गन्ना खरीद की एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया तैयार हुई। इस तरह सहकारिता के क्षेत्र ने किसानों के जीवन में एक बड़ा परिवर्तन लाने का काम किया है। मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी, छोटे, लघु, कुटीर उद्योग, महिला स्वयं सहायता समूह, बुनकर सोसाइटीज, इन सारे सेक्टरों में सहकारिता के माध्यम से बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार मिला है और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है।

कार्यक्रम में उपस्थित लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा अन्य अतिथि।

मेक इन इंडिया का सपना साकार

बिरला ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी हमारी सहकारी समितियां आज मेक इन इंडिया को साकार कर रही है। सहकारिता सेक्टर हमारे देश का निर्यात बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय बनाने की प्रधानमंत्री की पहल से प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही आई है। सहकारिता से आर्थिक परिवर्तन का नया युग शुरू होगा

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from
SAMVAD

Publication	Rashtriya Sahara	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	03/07/2023	Page no	7
CCM	40.75		

प्रत्येक पंचायत में सहकारी समिति की स्थापना की जाए : ओम बिरला

नई दिल्ली (एसएनबी)। भारतीय सहकारी महासम्मेलन के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यदि प्रत्येक पंचायत में सहकारी समिति की स्थापना की जाए तो यह ग्रामीण परिवर्तन के लिए आर्थिक विकास के मॉडल के रूप में कार्य कर सकती है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि संकट के समय में, जैसे कीमतों में वृद्धि, लोगों को बुनियादी जरूरतें प्रदान करना आदि में सहकारी समितियों ने हमेशा संकट को दूर किया है। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) द्वारा आयोजित दो दिवसीय भारतीय सहकारी महासम्मेलन रविवार को दिल्ली में संपन्न हो गया। भारतीय सहकारी महासम्मेलन में देश के सभी हिस्सों से सहकारी संगठनों के 3500 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और इस आयोजन को ऑनलाइन बड़ी संख्या में व्यक्तियों ने देखा।

समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सहकारिता मंत्रालय के गठन से हुए व्यापक बदलावों की ओर इशारा करते हुए पैक्स को मजबूत करने में सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर पैक्स मजबूत होंगे, तो किसानों की भंडारण की क्षमता में सुधार होगा और किसानों को उपज का उचित मूल्य मिलेगा। श्वेत क्रांति और नीली क्रांति में सहकारी समितियों की सफलता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों की सफलता की कहानियों को जन-जन तक पहुंचाना होगा। इस कार्यक्रम में मत्स्यपालन,

दो दिवसीय भारतीय सहकारी महासम्मेलन का समापन

पशुपालन और डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने कहा कि इफ्को की नैनो यूरिया ने सहकारिता आंदोलन के गौरव को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र को नैनो यूरिया को लोकप्रिय बनाने के लिए संयुक्त प्रयास करने चाहिए ताकि हर किसान तक इसकी पहुंच हो सके। उन्होंने गुजरात में बाल गोपाल बैंक, जिसका टर्नओवर 16 करोड़ है, का सफल उदाहरण बताते हुए कहा कि सहकारी समितियों में बचत की आदत विकसित करने की आवश्यकता है।

आईसीए-एपी के अध्यक्ष और कृभको के अध्यक्ष डा. चंद्रपाल सिंह यादव ने इस अवसर पर कहा कि पैक्स के मॉडल उपनियम, जिसके माध्यम से पैक्स 40 प्रकार की बहु-विविध गतिविधियां करेंगे, पैक्स को आत्मनिर्भर बनाएगा। एनसीयूआई के अध्यक्ष दिलीप संघाणी ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ सरकार के सहकारिता आंदोलन को सशक्त करने के प्रयासों में पूरा सहयोग करेगा। वहीं डा. सुधीर महाजन, मुख्य कार्यकारी एनसीयूआई ने भारतीय सहकारी महासम्मेलन के प्रमुख निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए बताया कि विभिन्न सत्रों में विचार-विमर्श के दौरान व्यावसायीकरण विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। प्रौद्योगिकी उन्नयन,सरकारी योजनाओं के साथ जुड़ाव तलाशने के लिए सहकारी समितियों की आवश्यकता,सरकार, निजी क्षेत्र आदि के साथ सहकारी समितियों के सहयोग की आवश्यकता, इत्यादि पर भी बल दिया गया।

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD